गए सर्वेक्षण के अनुसार 1-1-1993 की स्थिति के अनुसार कोयले का अनुमानित भण्डार (1200 मीटर तक की गहराई में) 4193.7 बिलियन टन है।

वर्ष 1992-93 के दौरान देश में सभी उपभोक्ता क्षेत्रों की कोयले की कुल मांग की तुलना में वास्तविक आपूर्ति तथा वास्तविक उत्पादन नीचे दर्शाया गया है :

(मिलियन टन में)

मूल्यांकित मांग	वास्तविक आपूर्ति	उत्पादन	टिप्पणी
258.10 (5.30)	241.00 (2.47)	238.23 (अनन्तिम)	कोष्टक में दिए गए आंकड़े वांछनीय मिडलिंग्स दर्शाते हैं।

मूल्यांकित मांग व्युत्पन्न स्वरूप की है। कुल मिलाकर देशी कोयले का उपादन 1992-93 के दौरान मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त था, केवल एकीकृत इस्पात संयंत्रों को छोड़कर जो कि देशीय उपलब्धता तथा मांग के बीच अन्तराल को पूरा करने के लिए देशी कोयले के साथ मिश्रण करने तथा इस्पात संयंत्रों में प्रयुक्त किये जाने वाले कुल मिश्रण की गुणवत्ता में सुधार किए जाने के प्रयोजनार्थ निम्न राख कोकिंग कोयले का मुख्य आयातक है।

वर्ष 1992-93 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों नामतः भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० तथा विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के इस्पात संयंत्रों द्वारा आयात किए गए कोयले की मात्रा तथा कीमत के संबंध में ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :—

(आंकड़े अनन्तिम)

आयात (मि० टन में)	आयात के देश	कीमत (करोड़ रुपए में)
5.908	आस्ट्रेलिया पोलैण्ड न्यूजीलैण्ड	1145.94

(ग) से (ङ) मेघालय में कोल इण्डिया लिमिटेड की कोई कोलियरी नहीं है। इसलिए, कोल इण्डिया लि० द्वारा मेघालय की राज्य सरकार को कोयले की रायल्टी का भुगतान किए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

Requirement Coal for power sector in Gujarat

288. SHRI VITHALBHAI M. PATEL : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) what is the annual requirement of coal for the power sector in Gujarat ;

(b) what is the quantity of coal actually supplied to the power houses of Gujarat during the last two years and up to 30th September, 1993 ;

(c) whether the required quantity of coal has been supplied to these power houses ;

(d) if not, the reasons therefor ; and

(e) what steps are being taken by Government to supply the required quantity of coal to these power stations ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) The demand of coal for the power houses under Gujarat Electricity Board (GEB) for the year 1993-94, as assessed by Central Electricity Autho-

rity, is 11.78 million tonnes. Power house wise details are as follows :

Power House	Annual Demand in Million tonnes
Gandhinagar	2.60
Ukai	3.45
Sikka	0.75
Wanakbori	4.98
TOTAL	11.78

(b) to (d) Actual despatches to Power Stations of Gujarat Electricity Board during the year 1991-92 and 1992-93 were as follows :—

Year	In million tonnes (Data Provisional)
1991-92	9.272
1992-93	11.071

The quantity of coal supplied during the period April to October, 1993 was 6.60 million tonnes (provisional) as against pro-rata demand of 6.53 million tonnes (provisional). The supplies during the current year have been more than the demand projected by Central Electricity Authority.

(e) Coal India Ltd. is in a position to meet the demand of coal for all the power stations under Gujarat Electricity Board as projected by Central Electricity Authority. A close watch is also maintained over the coal supplies to the power sector.

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को बाजारी परियोजना हेतु विश्व बैंक का ऋण

289. **श्री अजित जोगी** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विश्व बैंक ईस्टर्न कोल फील्डस लिमिटेड की बाजारी परियोजना के लिए ऋण देने पर सहमत हो गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसकी शर्तें क्या हैं;

(ग) क्या विश्व बैंक ने विभिन्न कोयला-क्षेत्रों में आग बुझाने के नए तरीके खोजने के लिए भी सहायता दी है; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की सोनपुर बाजारी ओपन-कास्ट परियोजना, जो कि 3 मि० टन प्रति वर्ष की लक्षित क्षमता के लिए क्रियान्वयनाधीन है, उक्त परियोजना के लिए वर्तमान में विश्व बैंक से 97.86 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण की राशि उपलब्ध है। ऋण की अंतिम तारीख 30-9-94 है अथवा बाद की ऐसी कोई तारीख होगी, जो कि बैंक द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(ग) और (घ) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ ने झरिया खान अग्नि नियंत्रण तकनीकी सहायता परियोजना के अन्तर्गत 8.6 मिलियन के बराबर की ऋण की राशि विशेष निकासी अधिकारों के अन्तर्गत उपलब्ध की है, जिसका उद्देश्य झरिया कोयला क्षेत्र की आगों के साथ निपटने के लिए एक नैदानिक अध्ययन किया जाना है। ऋण की अन्तिम तारीख 30-6-95 है अथवा बाद की ऐसी तारीख होगी, जो कि संघ निर्धारित करेगा।

कोयला परियोजनाओं का समय पर पूरा किया जाना

290. **श्री अजीत जोगी** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कोयला परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के संबंध में निगरानी